



IINDRAJEET



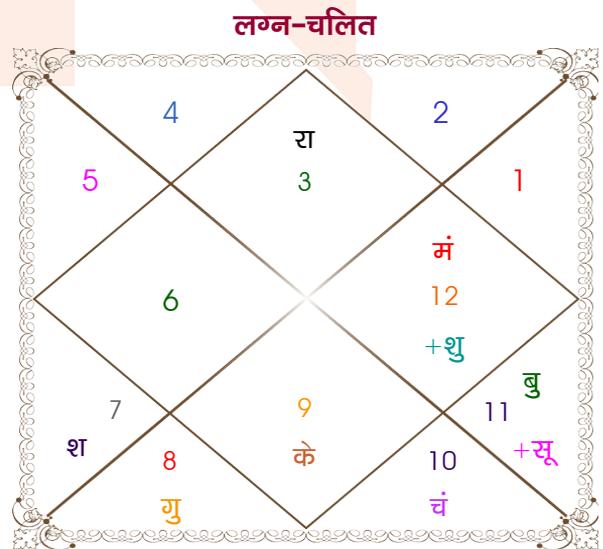
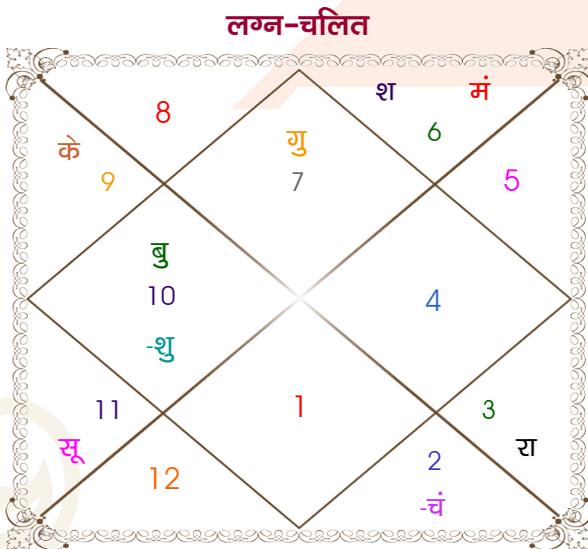
Rupali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120964710

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 01/03/1982 : _____ जन्म तिथि _____ : 10/03/1983
 सोमवार : _____ दिन _____ : गुरुवार
 घंटे 22:52:00 : _____ जन्म समय _____ : 12:55:00 घंटे
 घटी 41:03:43 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 16:32:19 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Allahabad : _____ स्थान _____ : Allahabad
 25:27:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 25:27:00 उत्तर
 81:50:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 81:50:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:02:40 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:02:40 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:26:30 : _____ सूर्योदय _____ : 06:18:04
 18:04:03 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:08:34
 23:36:13 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:37:03

विंशोत्तरी सूर्य 3वर्ष 10मा 8दि गुरु		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 1वर्ष 7मा 22दि गुरु	
		22:14:04	तुला	लग्न	मिथु	17:32:15		
		17:11:50	कुंभ	सूर्य	कुंभ	25:32:07		
		01:25:39	वृष	चंद्र	मक	06:20:33		
		25:04:19	कन्या व	मंगल	मीन	16:35:04		
गुरु	26/02/2023	20:32:54	मक	बुध	कुंभ	11:36:06	गुरु	19/12/2021
शनि	09/09/2025	16:40:43	तुला व	गुरु	वृश्चि	16:49:18	शनि	01/07/2024
बुध	16/12/2027	05:56:38	मक	शुक्र	मीन	25:18:14	बुध	07/10/2026
केतु	20/11/2028	27:53:58	कन्या व	शनि व	तुला	10:15:12	केतु	13/09/2027
शुक्र	22/07/2031	27:34:05	मिथु व	राहु व	मिथु	07:28:17	शुक्र	14/05/2030
सूर्य	10/05/2032	27:34:05	धनु व	केतु व	धनु	07:28:17	सूर्य	02/03/2031
चन्द्र	09/09/2033	10:59:33	वृश्चि	हर्ष	वृश्चि	15:29:05	चन्द्र	01/07/2032
मंगल	16/08/2034	03:13:22	धनु	नेप	धनु	05:28:55	मंगल	07/06/2033
राहु	08/01/2037	03:02:53	तुला व	प्लूटो व	तुला	05:31:36	राहु	01/11/2035



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

॥INDRAJEET का वर्ग गरुड़ है तथा त्वचंसप का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ॥INDRAJEET और त्वचंसप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

॥INDRAJEET मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना ।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ॥INDRAJEET कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्वचंसप मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

॥INDRAJEET तथा त्वचंसप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

